



(ख) हम अपने इलाके के चौराहे पर महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित करवाना चाहेंगे। इसका कारण यह है कि आज के परिवेश में जिस प्रकार से हिंसा, झूठ, स्वार्थ, वैमनस्य, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार आदि बुराइयाँ व्याप्त होती जा रही हैं, उसमें गांधीजी के आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गयी है। गांधीजी की मूर्ति स्थापित होने से लोगों के अंदर सत्य, अहिंसा, सदाचार, साम्प्रदायिक सौहार्द आदि की भावनाएं उत्पन्न होंगी। इससे समाज व देश का वातावरण अच्छा बनेगा।

(ग) हमारा यह उत्तरदायित्व होना चाहिए कि हम उस मूर्ति की गरिमा का ध्यान रखें। हम न तो स्वयं उस मूर्ति का अपमान करें अथवा उसे क्षति पहुँचाएँ और न ही दूसरों को ऐसा करने दें। हम उस मूर्ति के प्रति पर्याप्त श्रद्धा प्रकट करें एवं उस महापुरुष के आदर्शों पर स्वयं भी चलें तथा दूसरे लोगों को भी चलने के लिए प्रेरित करें।

10. निम्नलिखित पंक्तियों में स्थानीय बोली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है, आप इन पंक्तियों को मानक हिंदी में लिखिए -

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा ? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।

**उत्तर**

मानक हिंदी में रूपांतरित -

अगर कोई ग्राहक आ गया और उसे चौड़े चौखट चाहिए, तो कैप्टन कहाँ से लाएगा ? तो उसे मूर्तिवाला चौखट दे देता है और उसकी जगह दूसरा लगा देता है।

11. 'भई खूब! क्या आइडिया है।' इस वाक्य को ध्यान में रखते हुए बताइए कि एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से क्या लाभ होते हैं?

**उत्तर**

एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों के आने से उस भाषा की भावाभिव्यक्ति की क्षमता में वृद्धि होती है। भाषा का भण्डार बढ़ता है। भाषा का स्वरूप अधिक आकर्षक हो जाता है। भाषा में प्रवाहमयता आ जाती है।

भाषा अध्ययन

12. निम्नलिखित वाक्य से निपात छाती और उनसे नए वाक्य बनाइए -

(क) नगरपालिका थी तो कुछ न कुछ करती भी रहती थी।

(ख) किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा।

(ग) यानी चश्मा तो था लेकिन संगमरमर का नहीं था।

(घ) हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाए।

(गं) दो साल तक हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरते रहे।

**उत्तर**

(क) कुछ न कुछ - तुम हमेशा कुछ न कुछ मांगते ही रहते हो।

(ख) को ही - राकेश को ही हमेशा अच्छे अंक मिलते हैं।

(ग) तो था - रास्ते में कोई सवारी तो थी नहीं।

(घ) अब भी - तुम अब भी बाज़ार नहीं गए।

(ङ) मैं - इस समय मैं तुम्हें अधिक मेहनत करनी चाहिए।

13. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए -

(क) वह अपनी छोटी - सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से नेताजी की मूर्ति पर एक फिट कर देता है।

(ख) पानवाला नया पान खा रहा था।

(ग) पानवाले ने साफ़ बता दिया था।

(घ) ड्राईवर ने जोर से ब्रेक मारा।

(ङ) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया।

(च) हालदार साहब ने चश्मेवाले की देशभक्ति का सम्मान किया।

**उत्तर**

(क) उसके द्वारा अपनी छोटी - सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से नेताजी की मूर्ति पर एक फिट कर दिया जाता है।

(ख) पानवाले से नया पान खाया जा रहा था।

(ग) पानवाले द्वारा साफ़ बता दिया गया था।

(घ) ड्राईवर द्वारा जोर से ब्रेक मारा गया।

(ङ) नेताजी द्वारा देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया गया।

(च) हालदार साहब द्वारा चश्मेवाले की देशभक्ति का सम्मान किया गया।

14. नीचे लिखे वाक्यों को भाववाच्य में बदलिए -

- (क) माँ बैठ नहीं सकती।
- (ख) मैं देख नहीं सकती।
- (ग) चलो, अब सोते हैं।
- (घ) माँ रो भी नहीं सकती।

**उत्तर**

- (क) माँ से बैठा नहीं जाता।
- (ख) मुझसे देखा नहीं जाता।
- (ग) चलो अब सोया जाए।
- (घ) माँ से रोया भी नहीं जाता।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*